



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 201]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 13, 2005/वैशाख 23, 1927

No. 201]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 13, 2005/VAISAKHA 23, 1927

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(डाक विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 मई, 2005

सा.का.नि. 292(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 (1898 का 6) की धारा 74 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय डाकघर नियम, 1933 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय डाकघर (.....संशोधन) नियम, 2005 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय डाकघर नियम, 1933 में,—

(i) नियम 17-क के उपनियम (1) में विद्यमान स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण.—मुद्रण पद से मुद्रण के रूप में पहचानी जा सकने वाली कोई चीज या एक जैसी अनेक प्रतियां, जिनके अंतर्गत मुद्रित पुस्तक या पुस्तकों सहित या उनके बिना कॉम्पैक्ट डिस्क या फ्लोपी पर पुस्तक या पुस्तकें भी हैं, उत्पादित करने के लिए सामान्यतः प्रयोग में लाई जाने वाली ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया अभिप्रेत हैं किन्तु इसके अंतर्गत टंकणलेखन, किसी यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा निकाली गई कार्बन प्रतियां, कम्प्यूटर मुद्रण, फोटो कॉपींग या ऐसी ही कोई प्रक्रिया सम्मिलित है।”

(ii) नियम 17-क के उपनियम (1) में खंड (छ) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ज) ऐसे पुस्तक पैकेटों में कोई मुद्रित पुस्तक या पुस्तकों सहित या उनके बिना कॉम्पैक्ट डिस्क या फ्लोपी पर कोई पुस्तक या पुस्तकें डाक द्वारा पारेषण के लिए तभी स्वीकार की जाएंगी जब वे इस प्रयोजन के लिए सर्किल प्रमुख द्वारा अभिहित डाकघर में प्रस्तुत की जाती हैं और डाक से भेजने के लिए प्रस्तुत किए गए ऐसे पैकेट एक समय में एक हजार से कम न हों।”

[फा. सं. 1-3/2005-डाकघर]

अंजु दास गुप्ता, वरिष्ठ उप महानिदेशक (पीओ एंड आई)

टिप्पण:— मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सं० 290 आईएमआर/32 तारीख 30 मार्च, 1933 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम संशोधन सा.का.नि. 7(अ) तारीख 3 जनवरी, 2002 द्वारा किए गए।

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY

(Department of Posts)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 13th May, 2005

**GSR 292(E).**—In exercise of powers conferred by Section 74 of Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office, Rules, 1933, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Post Office (.....Amendment) Rules, 2005.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Indian Post Office, Rules, 1933,—
  - (i) in rule 17-A, in sub-rule (1), for the existing Explanation the following Explanation shall be substituted, namely:—

“**Explanation.**—The expression printing means any thing capable of being recognized as printing or any mechanical process ordinarily used to produce a number of identical copies including the book or books on compact disk or floppy with or without printed book or books but does not include type writing, carbon copies processed by any mechanical process, Computer printing, photocopying or any similar process.”
  - (ii) in rule 17-A, in sub-rule (1), after clause (g) the following shall be inserted, namely:—

“(h) No book or books on compact disk or floppy with or without any printed book or books in such book packets shall be accepted for transmission by post unless they are presented in the Post Office designated by the Head of the Circle for this purpose and such packets presented for posting are not less than one thousand at a time.”

[F. No. 1-3/2005-P O]

ANJUDASGUPTA, Sr. Dy. Director General (PO&amp;I)

**Note:—** The Principal rules were published in the Gazette of India, part-II, Section-3, Sub-Section (i) *vide* Notification No. 290 IMR/32 dated New Delhi the 30th March, 1933 and last amended by GSR. 7(E), dated 3rd January, 2002.